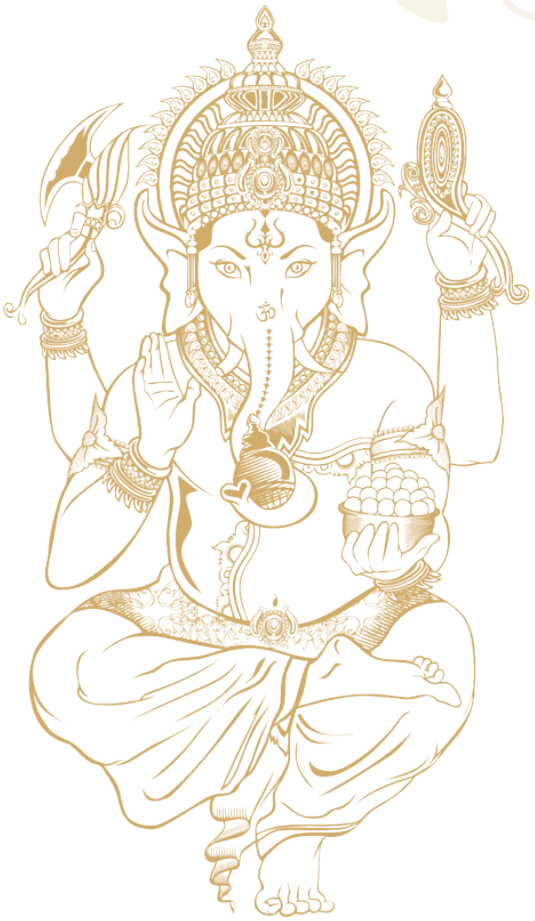

Mr.

16 Aug 1994

07:30 AM

Phagwara

Model: web-freekundliweb

Order No: 121771804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/08/1994**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**07:30:00 घंटे**
इष्ट	04:02:49 घटी
स्थान	**Phagwara**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:14:00 उत्तर
रेखांश	75:46:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:03:04 घंटे
वेलान्तर	-00:04:20 घंटे
साम्पातिक काल	04:40:01 घंटे
सूर्योदय	05:52:52 घंटे
सूर्यास्त	19:09:05 घंटे
दिनमान	13:16:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	29:12:35 कर्क
लग्न के अंश	18:59:58 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वैधृति
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	या-यतीन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	18:59:58	309:33:20	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			कर्क	29:12:35	00:57:39	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	23:14:50	13:59:48	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	नीच राशि
मंगल			मिथु	05:44:35	00:39:21	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	02:23:58	01:58:45	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			तुला	13:50:17	00:07:14	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	14:59:09	01:00:52	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शनि	व		कुंभ	16:27:38	00:04:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	25:19:23	00:02:22	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	25:19:23	00:02:22	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	29:26:51	00:01:59	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
नेप	व		धनु	27:21:21	00:01:19	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	01:31:19	00:00:21	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			वृष	17:45:24	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:09

लग्न-चलित

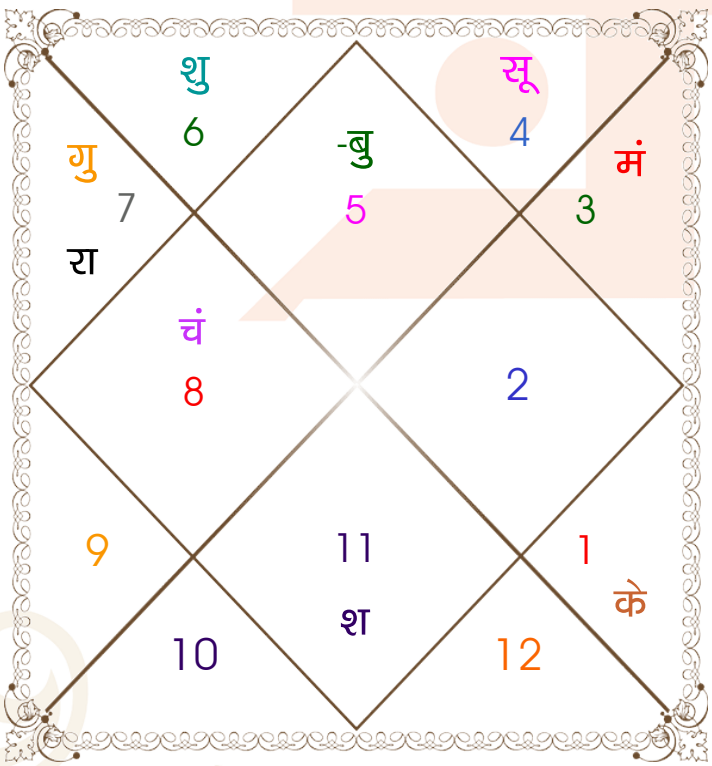

चन्द्र कुंडली

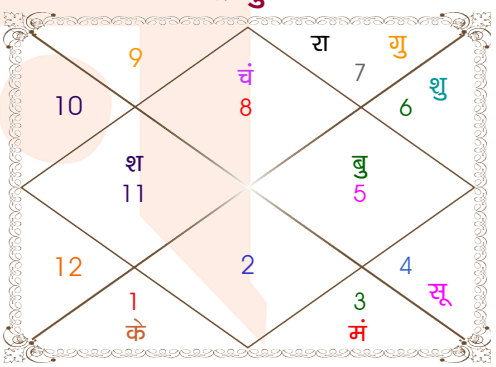

नवमांश कुंडली

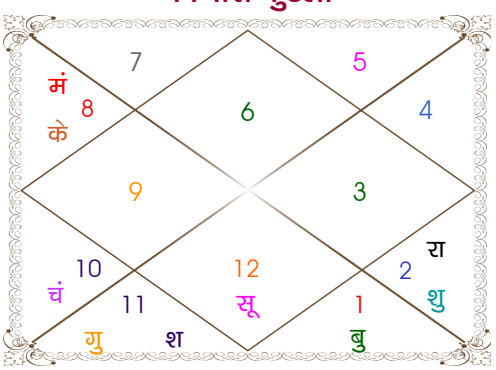

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 8 वर्ष 7 मास 9 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/08/1994		27/03/2003		26/03/2010		26/03/2030		26/03/2036	
27/03/2003		26/03/2010		26/03/2030		26/03/2036		26/03/2046	
	00/00/0000	केतु	23/08/2003	शुक्र	26/07/2013	सूर्य	14/07/2030	चंद्र	24/01/2037
	00/00/0000	शुक्र	22/10/2004	सूर्य	26/07/2014	चंद्र	13/01/2031	मंगल	25/08/2037
	00/00/0000	सूर्य	27/02/2005	चंद्र	26/03/2016	मंगल	20/05/2031	राहु	24/02/2039
	16/08/1994	चंद्र	28/09/2005	मंगल	26/05/2017	राहु	13/04/2032	गुरु	25/06/2040
चंद्र	25/09/1994	मंगल	24/02/2006	राहु	26/05/2020	गुरु	30/01/2033	शनि	24/01/2042
मंगल	22/09/1995	राहु	14/03/2007	गुरु	25/01/2023	शनि	12/01/2034	बुध	26/06/2043
राहु	11/04/1998	गुरु	18/02/2008	शनि	26/03/2026	बुध	19/11/2034	केतु	25/01/2044
गुरु	16/07/2000	शनि	29/03/2009	बुध	24/01/2029	केतु	27/03/2035	शुक्र	25/09/2045
शनि	27/03/2003	बुध	26/03/2010	केतु	26/03/2030	शुक्र	26/03/2036	सूर्य	26/03/2046

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
26/03/2046		26/03/2053		27/03/2071		27/03/2087		27/03/2106	
26/03/2053		27/03/2071		27/03/2087		27/03/2106		00/00/0000	
मंगल	22/08/2046	राहु	07/12/2055	गुरु	14/05/2073	शनि	29/03/2090	बुध	23/08/2108
राहु	10/09/2047	गुरु	02/05/2058	शनि	25/11/2075	बुध	07/12/2092	केतु	20/08/2109
गुरु	16/08/2048	शनि	08/03/2061	बुध	02/03/2078	केतु	15/01/2094	शुक्र	20/06/2112
शनि	25/09/2049	बुध	25/09/2063	केतु	06/02/2079	शुक्र	17/03/2097	सूर्य	27/04/2113
बुध	22/09/2050	केतु	13/10/2064	शुक्र	07/10/2081	सूर्य	27/02/2098	चंद्र	17/08/2114
केतु	18/02/2051	शुक्र	13/10/2067	सूर्य	26/07/2082	चंद्र	28/09/2099		00/00/0000
शुक्र	19/04/2052	सूर्य	06/09/2068	चंद्र	25/11/2083	मंगल	07/11/2100		00/00/0000
सूर्य	25/08/2052	चंद्र	08/03/2070	मंगल	31/10/2084	राहु	14/09/2103		00/00/0000
चंद्र	26/03/2053	मंगल	27/03/2071	राहु	27/03/2087	गुरु	27/03/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 8 वर्ष 7 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।